Marwari College, Darbhanga
Online lecture Study Material

Page No.: 01
Date 29/04/20

Subject - Psychology(H), B.A. Part-I, Paper-II (Social Psychology), ch- Groups

Topic - Factors of Group Cohesiveness.
(समूह सामंजस्य या समूह संसक्ति के कारक)

समूह संसक्ति, समूह में एकता की सीमा को संदर्भित करता है और सदस्यों के समूह के मानदंडों के अनुरूप, एक दूसरे के लिए आकर्षण की भावनाएं और समूह के सह-सदस्य बनना चाहता है।

आकर्षण, सामंजस्य और मानदंडों के अनुरूप व्यवहार सभी समूह सामंजस्य है। जितना अधिक सदस्य समूह के प्रति आकर्षित महसूस करेंगे, उतना ही समूह संसक्ति होगा। अधिक से अधिक सामंजस्य, समूह के सदस्यों के समूह के मानदंडों के अनुरूप एक दूसरे को मनाने के लिए समूह के सदस्यों का प्रभाव अधिक होता है।

अधिक से अधिक अनुरूपता, समूह के साथ सदस्यों की अधिक से अधिक पहचान, और समूह सामंजस्य अधिक से अधिक होगा। समूह लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एकजुट समूह एक साथ काम करते हैं। यदि समूह के लक्ष्य संगठन के लक्ष्यों के साथ मेल खाते हैं तो उन्हें संगठन के लिए मूल्यवान संपत्ति माना जा सकता है।

Factors of Group Cohesiveness:
निम्नलिखित कारक कई समूह के सामंजस्य को बढ़ाने की सुविधा प्रदान कर सकते हैं;

Scanned with CamScanner

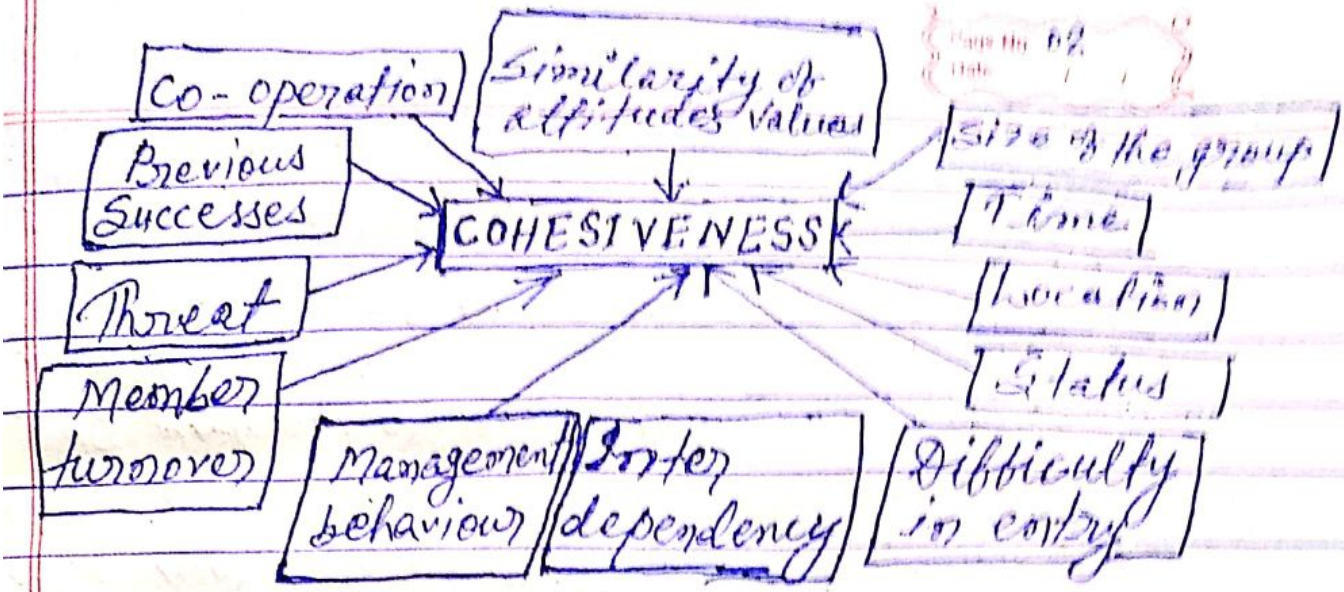

*समूह लक्ष्यों पर समझौता :- यदि समूह अपनी गतिविधियों के उद्देश्य और दिशा पर सहमत हो जाता है, तो यह समूह को एक साथ बांधने और सफल लक्ष्य प्राप्ति के लिए इंटरेक्शन पैटर्न की संरचना करने का काम करेगा।

*सहभागिता की आवृत्ति :- जब एक समूह के सदस्य के पास एक-दूसरे के साथ अक्सर बातचीत करने का अवसर प्राप्त होता है, तो मित्रता विकसित होने की संभावना बढ़ जाएगी। प्रबंधक लगातार औपचारिक और अनौपचारिक बैठकों को बुलाकर, एक आम बैठक के लिए जगह प्रदान करने या शारीरिक रूप से डिजाइन तैयार करने के लिए समूह के सदस्यों में बातचीत में वृद्धि के अवसर प्रदान कर सकते हैं ताकि समूह के सदस्य एक-दूसरे की दृष्टि में हों।

*व्यक्तिगत आकर्षण :- आपसी विश्वास और समर्थन पहले से मौजूद होने पर सदस्य एक-दूसरे की ओर आकर्षित होते हैं, तो सामंजस्य बढ़ता है। व्यक्तिगत आकर्षण समूह के सदस्यों को लक्ष्य की प्राप्ति और

Scanned with CamScanner

व्यक्तिगत विकास और विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने में भी मदद करता है।

*अंतर-समूह प्रतियोगिता :- अन्य समूहों के साथ प्रतिस्पर्धा, संगठन के लिए लिखित और बाहरी दोनों एक तंत्र है जो एक सामान्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए समूहों को एक साथ लाने का कार्य करता है।

*अनुकूल मूल्यांकन :- यदि किसी समूह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, तो संबंधन द्वारा उसके प्रदर्शन के लिए कुछ मान्यता समूह के सदस्यों और समूह के अन्य सदस्यों की नजर में समूह की प्रतिष्ठा को बढ़ाने का कार्य करती है। अनुकूल मूल्यांकन समूह के सदस्यों को, समूह के सदस्य होने पर गर्व महसूस करने में मदद करता है।

*समूह का आकार :- जैसे ही समूह का आकार बढ़ता है, प्रत्येक सदस्य के साथ बातचीत की आवृत्ति अन्य समूह के सदस्यों के साथ घट जाती है, इस प्रकार संभावना कम हो जाती है कि सामंजस्य विकसित होगा। पिछले अध्ययनों से पता चला है कि चार से छह सदस्यों के समूह बातचीत के लिए सबसे अच्छा अवसर प्रदान करते हैं।

*समूह के साथ सुखद अनुभव :- जब समूह के सदस्य एक दूसरे के प्रति आकर्षित होते हैं या पूर्ण विश्वास और सहयोग देते हैं, तो एक

Scanned with CamScanner

बातचीत एक सुखद अनुभव बन सकती है जिसके परिणामस्वरूप समूह में उच्च स्तर का सामंजस्य होता है।

* प्रभुत्व का अभाव :-
जब एक या कुछ सदस्य समूह पर हावी हो जाते हैं, तो सामंजस्य पर्याप्त रूप से विकसित नहीं हो सकता है। इस तरह का व्यवहार समूह के भीतर छोटे "क्लीक" बना सकता है या अलग-अलग सदस्यों को अलग-अलग या विचलित कर सकता है।

* सदस्यों का लिंग :-
यह बताया गया है कि महिलाओं में ~~सोचने के प्रकारों की~~ पुरुषों की तुलना में अधिक सामंजस्य होता है। एक संभावित कारण यह है कि महिलाओं में सोचने के प्रकारों की तुलना में अधिक प्रकार के होने की संभावना होती है।

* पिछली सफलता :-
यदि किसी समूह के पास सफलता का इतिहास है, तो यह एक 'एस्प्रिट डे कोर' बनाता है जो सदस्यों को आकर्षित करता है और एकजुट करता है। सफल संगठनों को असफल कर्मचारियों की तुलना में नए कर्मचारियों को आकर्षित करना और नियुक्त करना आसान लगता है।

* हास्य :-
हास्य को कई अध्ययनों में बढ़े हुए सामंजस्य से जोड़ा गया है। यह बताया गया है कि अधिक से अधिक सामंजस्य, सदस्यों के व्यवहार और बाद में समूह के प्रदर्शन पर समूह का प्रभाव अधिक होता है। जैसा कि

Scanned with CamScanner

Page No 05
Date 29/04/20

समूह ऐसे व्यक्तियों से बने होते हैं जो
समूह के लक्ष्य और एक-दूसरे के प्रति
आकर्षित होते हैं, एक का एकजुटता और
समूह के प्रदर्शन के बीच एक सकारात्मक
संबंध होने की उम्मीद होगी।

Dr Subhash Kumar Suman
Assistant Professor
Dept. of Psychology.

Scanned with CamScanner